आते हैं रघुनंदन

आते हैं रघुनंदन ,सजवादो द्वार-द्वार
स्वर्ण कलश रखवादो ,बंधवादों बंधन वार...-2

लड़ियों से मढ़ियों से फुलझड़ियों से
सजो राम दरबार शोभा अजब बनी -2

सजी नगरिया है सारी ,नाचें गावे नर-नारी
खुशियाँ मनाओ गाओ री मंगल चार -2
स्वर्ण कलश रखवादो ,बंधवादों बंधन वार...

कंचन कलश विचित्र सँवारे ,सब ही सजे धरे निज निज द्वारे
खुशियाँ मनाओ गाओ री मंगल चार -2
स्वर्ण कलश रखवादो ,बंधवादों बंधन वार...

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/22778/title/aate-hain-Raghunandan-sajvado-dvar-dvar

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |